हरिभूमि
नर्मदापुरम भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शुक्रवार 11 सितंबर 2026

04 सरकारी विभागों पर बिजली बिल का करीब...

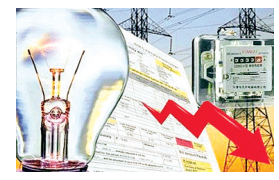

07 हम बाजार को व्यवस्थित करना चाहते ताकि फायर...

बारिश में रात के अंधेरे में बिना नंबर की जेसीबी से की तोड़फोड

ग्राम निटाया में गरीब का आशियाना और स्वच्छ भारत का शौचालय तोड़ा!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नर्मदापुरम

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'स्वामित्व योजना'जिसका मूल उद्देश्य ग्रामीण भारत के निर्धन परिवारों को उनकी पुश्तैनी संपत्ति का कानूनी हक देकर आत्मनिर्भर बनाना था। जिले के ग्राम निटाया में प्रशासनिक तानाशाही और रसूखदारों की मिलीभगत की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। आरोप है कि जिला कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ आशुलिपिक (स्टेनो) के रसूख के आगे समूचा स्थानीय राजस्व अमला नतमस्तक हो गया। स्टेनो दो साल के प्रोविजनल पीरियड में है। नियमों को दरकिनार कर मूसलाधार बारिश और रात को बिना नंबर की जेसीबी से एक निर्धन परिवार का टीन शेड और स्वच्छ भारत मिशन के तहत बना सरकारी शौचालय बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में गहरा जनाक्रोश भड़क उठा है।

जिले के ग्राम निटाया में प्रशासनिक अमले ने एक निर्धन परिवार का टीन शेड और शौचालय बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया।

उठ रहे सवाल

जब प्रशासनिक तंत्र ही गरीबों की योजनाओं को रौंदकर प्रभावशाली कर्मियों के परिजनों को लाभ पहुंचाने लगे, तब यह सीधे तौर पर शासन की निष्पक्षता और 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अब देखना यह है कि शीर्ष नेतृत्व इस मामले में कब तक संज्ञान लेकर दोषियों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई करता है।

निष्पक्ष जांच की मांग

कलेक्टर स्तर पर सुनवाई न होने से आहत पीड़ित परिवार और ग्रामीणों ने अब इस गंभीर मामले की लिखित शिकायत संभागीय आयुक्त और प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी है। सामाजिक संगठनों ने शासन से सीधी मांग की है कि पद के दुरुपयोग पर रोक लगा निष्पक्ष जांच करने के लिए मांग की है।

2018 के ड्रोन सर्वे और जमीनी हकीकत

स्वामित्व योजना के वैधानिक दिशा-निर्देशों के अनुसार 2018 के पूर्व से ड्रोन सर्वे के दौरान मौके पर पाए गए भौतिक कब्जे के आधार पर ही संपत्ति का मालिकाना हक दर्ज किया जाना अनिवार्य था। प्रारंभिक सर्वे और रिकॉर्ड इसी आधार पर तैयार हुए थे, लेकिन आरोप है कि स्टेनो के परिजन चाचा एवं पिता को अनुचित लाभ पहुंचाने की नीयत से शासकीय अभिलेखों में बड़े पैमाने पर हेरफेर किया गया। 15 दिन में फर्जी प्रकरण, प्राकृतिक न्याय की खुली अवहेलना की गई। पीड़ित भुवनेश्वर पटेल और उनके परिवार का आरोप है कि उन्हें जबरन बेदखल करने के लिए राजस्व अधिकारियों ने धारा बी-121 के तहत कार्यालयीन स्तर पर ही आनन-फानन में फर्जी प्रकरण तैयार किया। पीड़ित पक्ष को न तो कोई विधिक नोटिस दिया गया और न ही अपना पक्ष रखने का कोई अवसर मिला। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की धज्जियां उड़ाते हुए, भारी बारिश के बीच रातों-रात बुलडोजर चलाकर उनका आशियाना ढहा दिया गया। जिस शौचालय का निर्माण केंद्र सरकार के 'स्वच्छ भारत मिशन' के तहत कराया गया था, उसे भी प्रशासनिक अमले ने बिना वैध सीमांकन के तोड़कर केंद्र की योजना का खुला उपहास उड़ाया।

इनका कहना है...

मैंने लिखित रूप से शिकायत की थी। इसके बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित शिकायत की गई है कि मुझे न्याय दिलाया जाए। **भुवनेश्वर पटेल ग्राम पंचायत कृषक निटाया**

इनका कहना है...

मैं अभी मामले को दिखाता हूं और इस संबंध में तहसीलदार से बात करके इसकी जानकारी लेते हैं। इसके बाद ही आगे कुछ कहा जाएगा। **देवेंद्र प्रताप सिंह सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम**

पीड़िता ने थाने पहुंचकर दर्ज कराई एफआईआर, 5 आरोपी गिरफ्तार

नाबालिग से दुष्कर्म और शादी का झांसा देकर कराया गर्भपात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नर्मदापुरम

नाबालिग से दुष्कर्म, शादी का झांसा देकर शोषण, गर्भपात कराने और आठ माह तक धमकाने के मामले में पांच लोगों को जेल भेज दिया गया है। गौरतलब है कि मंगलवार देर रात पीड़िता परिजनों के साथ थाने पहुंची थी। जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी अजीत सिंह सहित पांच लोगों को आरोपी बनाया और चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

गुरुवार को उन्हें जेल भेज दिया गया। इस मामले में आरोपी हैं। तीन महिलाओं को जेल भेजा है जिनमें डॉक्टर स्वाति मिर्धा राय शामिल हैं। वहीं एक महिला फरार है। इसके साथ ही आरोपी और उसके चाचा को भी जेल भेजा गया है। इधर, मामले में डॉ. वीरेंद्र राय की भूमिका को लेकर भी सवाल अभी भी उठ रहे हैं। पुलिस ने पूछताछ के लिए थाने बुलाया था, लेकिन बुधवार दोपहर तक थाने में मौजूद रहने के बावजूद उनकी भूमिका और कार्रवाई को लेकर पुलिस की ओर से स्थिति स्पष्ट नहीं की गई।

डॉक्टर वीरेंद्र राय की भूमिका की हो जांच

गर्भपात कराने में डॉक्टर की भूमिका सामने आने की बात कही जा रही है। ऐसे में जांच का अहम बिंदु यह है कि नाबालिग का गर्भपात कहां कराया गया, किसकी देखरेख में कराया गया और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे। डॉ. वीरेंद्र राय पर इस मामले में कार्यवाही क्यों नहीं की गई। उनकी पत्नी डॉ. स्वाति मिर्धा राय को जरूर आरोपी बनाया है जिन्हें जेल भेज दिया गया है।

होटल पर भी कार्रवाई की मांग

आनंद नगर स्थित होटल पलाश में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद होटल की गतिविधियों पर भी सवाल खड़े हुए हैं। स्थानीय स्तर पर यहां पहले भी संदिग्ध गतिविधियों और घटनाओं की चर्चाएं सामने आती रही हैं। ऐसे में लोगों का कहना है कि होटल की निगरानी और वहां संचालित गतिविधियों की जांच की जरूरत भी महसूस की जा रही है।

प्रकरण में

- पांच लोगों को भेजा जेल एक महिला आरोपी फरार
- डॉक्टर दंपत्ति की भूमिका पर भी उठ रहे सवाल

इनका कहना है

इस मामले में मुख्य आरोपी सहित बाकी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। मामले में आगे कार्रवाई की जा रही है।

गौरव बुंदेला, थाना प्रभारी नर्मदापुरम

जागरूकता रैली, वृक्षारोपण व दीवार लेखन का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इटारसी

संचालनालय महिला एवं बाल विकास, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम संजय जैन के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास परियोजना इटारसी के अंतर्गत समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कुपोषण उन्मूलन, संतुलित आहार एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम के वेबकास्ट से हुई। इसके बाद जनप्रतिनिधियों, मातृ सहयोगिनी समिति की सदस्यों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने 'पोषण संकल्प' लिया। विभिन्न क्षेत्रों में पोषण जागरूकता रैली निकालकर संतुलित आहार और स्वच्छता का संदेश दिया गया।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत 'एक पेड़ बेटी के नाम' अभियान के तहत विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों पर पौधारोपण भी किया गया।

गरीबी लाइन रोड निर्माण के लिए युकां ने सौंपा ज्ञापन, सुधार न होने पर आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इटारसी

आवागमन में भारी परेशानी : खेड़ा पहुंच मार्ग होने के कारण शहर की आधी आबादी इसका उपयोग करती है। वर्तमान में सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और जलभराव होने से राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासन को अल्टीमेटम : युवा कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि 7 दिनों के भीतर कार्य न होने पर उग्र आंदोलन होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी नगर पालिका व स्थानीय प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के

दौरान युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष सौम्य दुबे, जिला उपाध्यक्ष गौरव चौधरी, प्रदेश महासचिव शम्मी जायसवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोल्डी बैस, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष मयंक चौरे, प्रणीत मिश्रा, विशाल बड़कुर, उत्सव दुबे, अर्चित नामदेव, निहाल ठाकुर और मोहम्मद आमिर सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुस्कान बालिका गृह से गई किशोरी को पुलिस ने खोजा, पुनर्वास पर संस्था के सामने चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इटारसी

मोबाइल के माध्यम से होने वाले प्रेम-प्रसंग, परिवार में संवाद की कमी और कम उम्र में विवाह की जिद के चलते किशोरियों के घर अथवा संरक्षण संस्थाओं से पलायन के मामले सामने आ रहे हैं। 15 से 17 वर्ष की कई किशोरियां न परिवार के साथ रहना चाहती हैं और न ही बालिका गृह में रहना स्वीकार करती हैं। वहीं कुछ मामलों में परिजन भी उन्हें अपने साथ रखने से इनकार कर देते हैं। इससे बाल संरक्षण संस्थाओं के सामने सुरक्षा और स्थायी पुनर्वास की चुनौती बढ़ रही है।

उज्जैन से सकुशल मिली किशोरी

पूर्व में मुस्कान बालिका गृह से बिना अनुमति गई एक किशोरी को इटारसी पुलिस ने उज्जैन से सकुशल खोज निकाला। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी सौरभ पांडे एवं उनकी टीम ने लगातार प्रयास कर उसका पता लगाया। बालिका के 18 वर्ष की होने पर बाल कल्याण समिति के आदेश के बाद मुस्कान संस्था एवं पुलिस की संयुक्त टीम उसे बनखेड़ी स्थित घर ले गई और परिजनों के सुपुर्द किया। मुस्कान परिवार ने बालिका को खोजकर सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए थाना प्रभारी सौरभ पांडे एवं पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। संस्था ने कहा कि पुलिस और संस्था के समन्वय से बालिका को सुरक्षित पुनर्वासित करना संभव हुआ।

माता-पिता ने रखने से किया इनकार

इधर, विदिशा बाल कल्याण समिति के आदेश पर 17 वर्षीय किशोरी को पुनर्वास एवं संरक्षण के लिए मुस्कान बालिका गृह भेजा गया है। जानकारी के अनुसार किशोरी मोबाइल के माध्यम से एक युवक के संपर्क में आई और उससे विवाह करना चाहती है। इसको लेकर परिवार में विवाद हुआ और माता-पिता ने फिलहाल उसे अपने साथ रखने से इनकार कर दिया। इसके बाद समिति ने उसकी सुरक्षा और परामर्श के लिए उसे बालिका गृह में प्रवेश दिलाया।

स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को 2.90 करोड़ की छूट, समस्याओं का हुआ त्वरित निराकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इटारसी

भारत सरकार की 'रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम' के तहत लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने और विभागीय उपलब्धियों की जानकारी देने के उद्देश्य से गुरुवार को इटारसी के 'द पार्क होटल' में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने एक महत्वपूर्ण मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया।

एसडीएम नीलेश शर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए मीडिया से अपील की कि वे स्मार्ट मीटर की उपयोगिता और जनहितैषी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने में सहयोग करें।

स्मार्ट मीटर से फायदा :

उप मुख्य महाप्रबंधक स्मार्ट मीटर सेल सीके पवार ने बताया कि जिले में 1.74 लाख उपभोक्ताओं में से अब तक 81,126 से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। इन उपभोक्ताओं को टाइम ऑफ डे योजना के तहत सोलर ऑवर सुबह 9 से शाम 5 बजे तक में बिजली उपयोग करने पर ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है। फरवरी से जुलाई 2026 तक के छह महीनों में उपभोक्ताओं को 2 करोड़ 90 लाख 38 हजार रुपये की भारी छूट का लाभ मिला है। पवार ने भ्रांतियां दूर करते हुए स्पष्ट किया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद परिसर में आकर रीडिंग लेने की आवश्यकता नहीं होती।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग ने की कार्रवाई

नर्मदापुरम। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में विभागीय टीम द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। अभियान के तहत सिवनीमालवा, गुराडिया जाट, इटारसी शहर, धर्मकुंडी एवं डोलरिया क्षेत्रों में अवैध मदिरा के विक्रय एवं निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 22 प्रकरण कायम किए गए। कार्रवाई के दौरान 10 आरोपियों को पकड़ा गया। आबकारी विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में 10.8 बल्क लीटर देशी मदिरा, 85 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा तथा 1290 किलोग्राम लहान जब्त किया गया।

व्यापारियों व जनप्रतिनिधियों के बीच हुई सकारात्मक वार्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इटारसी

नगर में बाजार की विभिन्न समस्याओं को लेकर स्थानीय सिंधी व्यापार महासंघ के बैनर तले व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों विधायक डॉ सीतासरन शर्मा एवं नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण और सकारात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अतिक्रमण, दुकानों के मालिकाना हक, किराए की पेनाल्टी और बड़े मॉल्स से होने वाले नुकसान जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई और कई अहम फैसले लिए गए।

बाजार में चल रही अतिक्रमण हटाओ मुहिम पर विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई उनके ही निर्देशों पर हो

रही है और इसे रोका नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर व्यापारियों ने भी अपनी सहमति जताई है और शहर के विकास तथा साफ-सफाई में प्रशासन का पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया है। इसके साथ ही, ग्राहकों की सुविधा के लिए नालियों पर साफ-सफाई में बाधक न बनने वाली लोहे की जाली (जिसे आसानी से खोला जा सके) लगाने की अनुमति भी प्रशासन ने दे दी है।

व्यापारियों ने 30 साल पुरानी लीज वाली दुकानों को गाइडलाइन के अनुसार रजिस्ट्री कर मालिकाना हक (फ्री-होल्ड) देने की मांग रखी। विधायक ने आश्वासन दिया है कि इसके लिए राज्य शासन को विधिवत प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा और शासन की स्वीकृति मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इससे जहां नगरपालिका को राजस्व मिलेगा, वहीं व्यापारियों को भी बार-बार होने वाली परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। साथ ही, पारिवारिक हस्तांतरण के लिए दुकानों के नामांतरण की प्रक्रिया को भी सरल बनाने पर सहमति बनी है। दुकानों के किराए पर लगाई जा रही भारी पेनाल्टी को लेकर व्यापारियों ने अपनी परेशानी साझा की। इस पर जनप्रतिनिधियों ने राहत का संकेत देते हुए कहा कि जो व्यापारी अपना बकाया मूल किराया जमा कर देंगे, उनकी पेनाल्टी माफी और अन्य आपत्तियों को लेकर सीएमओ के साथ बैठकर उचित समाधान निकाला जाएगा। सिंधी व्यापार महासंघ के अध्यक्ष राहुल चेलानी ने इस बैठक को बेहद सार्थक बताया। उन्होंने कहा कि विधायक के समक्ष रखी गई अधिकांश मांगों पर तुरंत सहमति बन गई है। इससे सकारात्मक निराकरण हो जाएगा

कीड़े मिलने की शिकायत पर खाद्य विभाग ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नर्मदापुरम

शहर के एनएमवी कॉलेज रोड पर श्रेया ब्लड बैंक के सामने एक प्रतिष्ठान पर पोहा में कीड़े मिलने की शिकायत के बाद उसे बंद कराया गया। खाद्य विभाग के अधिकारी जितेंद्र राणा ने चलित प्रयोगशाला के माध्यम से चेकिंग की और फिर आगे की कार्यवाही की गई । बताया जाता है कि इंदौरी अग्रवाल पोहा प्रतिष्ठान में कीड़े मिलने की शिकायत सैयद आबिद ने सीएम हेल्पलाइन में की थी जिसके बाद खाद्य विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रयोगशाला से इसकी चेकिंग की इसमें गड़बड़ी पाई गई उनके पास कोई पंजीयन नहीं पाया गया। इसको लेकर खाद्य विभाग ने नोटिस भी थमाया है । इसके साथ ही आसपास व्यवस्था भी देखी गई। अधिकारियों ने कहा की मामला सक्षम न्यायालय के समक्ष भी पेश किया जाएगा और इसके बाद आगे की कार्यवाही होगी फिलहाल प्रतिष्ठान को बंद कर दिया गया है।

सीएमओ का निरीक्षण: अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश

सभापति अमृता मनीष ठाकुर ने जताई नाराजगी, बोलीं.. दौरे की सूचना होती तो वास्तविक समस्याएं भी सामने रखती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इटारसी

विधायक द्वारा हाल ही में समीक्षा बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए व्यवस्था में सुधार और प्रभावी मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुरेखा जाटव ने मंगलवार को वार्ड क्रमांक 13 एवं 14 स्थित न्यास कॉलोनी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों के विरुद्ध कार्य से पृथक करने की कार्रवाई की गई।

सीएमओ ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पार्कों की साफ-सफाई,

पानी एवं रखरखाव की जिम्मेदारी वाटर सप्लाई में कार्यरत पंप ऑपरेटरों को सौंपते हुए नियमित देखरेख के निर्देश दिए गए। सीएमओ ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए वार्डवार निरीक्षण और मॉनिटरिंग लगातार जारी रहेगी।

इधर, वार्ड क्रमांक 13 की पार्षद एवं सभापति अमृता मनीष ठाकुर ने सीएमओ के निरीक्षण की सूचना उन्हें नहीं दिए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि वार्ड के निर्वाचित जनप्रतिनिधि को निरीक्षण की जानकारी दी जाती तो मौके पर सफाई और पेयजल से जुड़ी वास्तविक समस्याएं प्रशासन के सामने रखी जा सकती थीं।

अमृता मनीष ठाकुर ने कहा कि वार्ड में गंदगी और सफाई व्यवस्था के साथ पेयजल से जुड़ी कई समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। इन समस्याओं को लेकर नगर पालिका प्रशासन को कई बार पत्र भी दिए गए, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा यदि हमें निरीक्षण की जानकारी दी जाती तो हम सीएमओ को वार्ड की वास्तविक स्थिति से अवगत करा पाते। केवल औपचारिक निरीक्षण से समस्याएं समाप्त नहीं होंगी। जनता द्वारा चुने गए पार्षद को साथ लेकर वार्ड की समस्याओं को मौके पर देखना अधिक प्रभावी होगा।

श्री गौड़ मालवीय ब्राह्मण समाज का आनंद मेला 12 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इटारसी

शहर में सामाजिक उल्लास और एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री गौड़ मालवीय ब्राह्मण समाज महिला मंडल संगठन, इटारसी द्वारा 12 सितंबर को प्रातः 9 से रात 8:30 बजे सरला मंगल भवन, सूरजगंज में एक आनंद मेल का आयोजन किया जा रहा है। विगत वर्षों की भांति इस बार भी इस आयोजन को लेकर समाज की महिलाओं और सभी सामाजिक बंधुओं में भारी उत्साह का माहौल है।

संगठन ने समाज के सभी परिवारों और नागरिकों को इस मेले में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। यह भव्य आयोजन समाज के लिए आनंद, उत्साह और मिलन का एक खास अवसर साबित होगा। मेले में विभिन्न प्रकार के आकर्षक स्टॉल और लजीज व्यंजनों की भरपूर व्यवस्था रहेगी। बच्चों और महिलाओं के लिए विशेष फन गेम्स और मनोरंजन के साधन उपलब्ध रहेंगे। फन गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

इस पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा और संचालन श्री गौड़ मालवीय ब्राह्मण समाज महिला मंडल संगठन द्वारा किया जा रहा है। संगठन की अध्यक्ष अर्चना मालवीय एवं सचिव किरण मालवीय के नेतृत्व में महिला मंडल की पूरी टीम तैयारियों में जुटी हुई है। आयोजन समिति ने समाज के सभी बंधुओं और मातृशक्ति से अपील की है कि वे अपने बच्चों और परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में आनंद मेले में पधारें और अपनी सहभागिता दर्ज कर इस आयोजन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाएं।

खबर संक्षेप

मृतक के पुत्र को मिला 40 लाख रुपये का क्लेम

शाहपुर। एसबीआई की शाहपुर शाखा ने अपने ग्राहकों के लिए एक बार फिर बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। बैंक की ओर से संचालित दुर्घटना बीमा (पीएआई) योजना के अंतर्गत, एक दिवंगत ग्राहक के परिवार को 40 लाख की बीमा राशि का चेक सौंपकर आर्थिक संबल प्रदान किया गया। शाखा प्रबंधक सर्वेश वर्मा ने बताया कि बैंक के ग्राहक प्रमिला धुर्वे ने इस योजना के तहत मात्र 2000 के प्रीमियम पर अपना बीमा करवाया था। दुर्भाग्यवश, सांप के काटने से उनका निधन हो गया। बीमा शर्तों के अनुसार, बैंक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दावे की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान मृतक के नॉमिनी उनके चार साल के पुत्र देविक धुर्वे के पिता रामलाल को चालीस लाख लाख रुपए का चेक भारतीय स्टेट बैंक के बैतूल क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक सुदीप मुसरे द्वारा प्रदान किया गया।

बैंक कर्मियों का देशव्यापी आंदोलन आज

बैतूल। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर देशभर के बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी आज 11 सितंबर को राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर रहेंगे। बैतूल में भी बैंक अधिकारी-कर्मचारी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के सामने एकजुट होकर हड़ताल एवं प्रदर्शन करेंगे। जिले के केनरा बैंक, यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूको बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी-कर्मचारी आंदोलन में सहभागिता करेंगे। बैंक यूनियनों की प्रमुख मांगों में पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था शीघ्र लागू करना, प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) से जुड़े मुद्दों का समाधान और पेंशन से संबंधित विभिन्न लंबित मांगों का निराकरण शामिल है। यूनियन नेताओं के अनुसार सितंबर में तीन दिवसीय आंदोलन भी प्रस्तावित है। मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने की स्थिति में 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया गया है। मध्यप्रदेश बैंक कर्मचारी संघ (एमपीबीईए) के महासचिव साथी वीरू शर्मा, खंडवा जोन अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश बैंक यूनियन के संयोजक साथी प्रमोद चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में बैतूल में प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। प्रदर्शन में यूनियन बैंक से साथी देशपांडे जी, राजेश, साथी अक्षय, साथी मनोज वाधवा, साथी रूपाली, साथी अभिलाष, सनी, प्रशांत, सृजन शर्मा तथा एसबीआई से साथी घनश्याम जी सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल होंगे। यूनियन नेताओं ने बैंक साथियों से एकजुटता, अनुशासन और पूरी ताकत के साथ आंदोलन में भाग लेने की अपील की है, ताकि लंबित एवं जायज मांगों को प्रभावी ढंग से सरकार के समक्ष रखा जा सके।

बिजली बिलों के भुगतान के लिए विभाग द्वारा किया जा रहा पत्राचार

सरकारी विभागों पर बिजली बिल का करीब 20 करोड़ रुपए बकाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैतूल

आम उपभोक्ता अगर बिजली बिल भरने में लेट हो जाए तो अमला कनेक्शन काटने पहुंच जाता है। दूसरी ओर सरकारी विभाग हैं, इन पर करोड़ों रुपए लंबे समय से बकाया हैं। इसके बाद भी सिर्फ पत्र ही लिखे जा रहे हैं। विद्युत वितरण कंपनी के अगस्त 2026 तक के बकाया आंकड़ों के मुताबिक जिले में विभिन्न सरकारी विभागों के 8079 विद्युत कनेक्शनों पर 23 करोड़ 8 लाख 86 हजार रुपए की बिजली बिल राशि बकाया है। इसके मुकाबले विभागों द्वारा अब तक महज 2 करोड़ 69 लाख 79 हजार रुपए का भुगतान किया गया है, यानी सरकारी विभागों पर अभी भी 20 करोड़ 39 लाख 7 हजार रुपए से अधिक की राशि बकाया है।

विद्युत वितरण कंपनी ने सभी सरकारी विभागों को निर्धारित समय पर बिजली बिलों का भुगतान करने की हिदायत दी है। कंपनी का स्पष्ट संकेत है कि लंबे समय से बिल जमा नहीं करने वाले विभागों के खिलाफ कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई की जा सकती है। दरअसल लगातार बढ़ते बकाया के चलते विद्युत वितरण कंपनी ने अब सख्ती शुरू कर दी है। तीन माह से अधिक समय से बिजली बिल जमा नहीं करने वाले सरकारी विभागों के कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जा रही है। कंपनी ने बकायादार सरकारी दफ्तरों और विभागों की सूची भी तैयार कर ली है। बकाया राशि की वसूली के लिए कुछ कनेक्शनों की बिजली लाइन काटने के आदेश जारी किए गए हैं। इसका असर सरकारी सेवाओं के साथ-साथ ग्रामीण पेयजल जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी पड़ सकता है।

आम उपभोक्ताओं के कनेक्शन कट विभागों से पत्राचार

बिजली कंपनियों का दोहरा रवैया भी सामने आता रहता है। कंपनियों के कई अधिकारी विभागों से बकाया बिजली बिल वसूलने में पीछे हट रहे हैं। कार्रवाई के नाम पर नोटिस, पत्राचार का खेल रहे हैं। वसूली नहीं चुकाने वाले छोटे उपभोक्ताओं की बिजली काट दी जाती है। जोडऩे के नाम पर शुल्क लेते हैं। वहीं दूसरी तरफ लंबे समय से सरकारी विभागों पर करोड़ों रुपये की राशि बकाया है। यह विभाग बिजली बिलों का भुगतान करने में भी देरी कर रहे है, लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जानकारों का कहना है कि आमजनता पर बकाया होने पर विभाग कनेक्शन कट कर देता है, जबकि आमतौर पर इस तरह की कार्रवाई विभागों, उनसे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ नहीं की जाती।

पंचायतों के 2804 कनेक्शनों पर 16 करोड़ बकाया

आंकड़ों में सबसे ज्यादा बकाया पंचायत विभाग पर सामने आया है। पंचायतों के कुल 2804 बिजली कनेक्शनों पर 17 करोड़ 87 लाख 38 हजार रुपए का बिजली बिल बकाया है। इसमें से सिर्फ 1 करोड़ 33 लाख 82 हजार रुपए का भुगतान हुआ है, जबकि 16 करोड़ 53 लाख 56 हजार रुपए अभी भी बकाया हैं। पंचायत स्तर पर बकाया का सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल व्यवस्था पर पडने लगा है। लाखों रुपए के बिजली बिल जमा नहीं होने के कारण विद्युत वितरण कंपनी ने नल-जल योजनाओं से जुड़े कनेक्शनों की लाइन काटना भी शुरू कर दिया है। बिजली आपूर्ति बाधित होने से कई ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति बन रही है। ऐसे में सरकारी विभागों की बिल भुगतान में लापरवाही का खामियाजा अब ग्रामीणों को पेयजल संकट के रूप में भुगतना पड़ सकता है।

इनका कहना है

सरकारी विभागों पर बकाया राशि होने पर कनेक्शन काटने के आदेश जारी हुए हैं। हमने सभी विभागों को समय पर बिजली बिलों का भुगतान करने के लिए पत्र लिखा है। यदि भुगतान नहीं होता है तो लाइन काटने की कार्रवाई की जा सकती है।

- बीएस बघेल,
अधीक्षण यंत्री विद्युत वितरण कंपनी

ट्राइबल विभाग भी बड़े बकायेदारों में

ट्रायबल वेलफेयर विभाग भी बिजली विभाग की सूची में बड़े बकायेदारों में शामिल है। ट्रायबल वेलफेयर विभाग पर बिजली विभाग का करीब 1 करोड़ 87 लाख 52 हजार रुपए का बिजली बिल बकाया है। विभाग के 1501 कनेक्शनों में से अब तक महज 15 लाख 11 हजार रुपए का भुगतान हुआ है, जबकि 1 करोड़ 72 लाख 40 हजार रुपए बाकी हैं। इसी तरह शिक्षा विभाग के 1132 कनेक्शनों पर 1 करोड़ 11 लाख 33 हजार रुपए का एरियर है। इनमें से 60 लाख 75 हजार रुपए जमा किए गए हैं और 50 लाख 58 हजार रुपए अभी भी बकाया हैं। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग के 1628 कनेक्शनों पर 66.77 लाख, नपा/नगर पंचायत के 325 कनेक्शनों पर 61 लाख, स्वास्थ्य विभाग के 240 कनेक्शनों पर 31.95 लाख और पुलिस विभाग के 97 कनेक्शनों पर 13.55 लाख रुपए बकाया हैं। अन्य विभागों पर भी लाखों रुपए की देनदारी दर्ज है।

बिजली बिलों के भुगतान के लिए सिर्फ पत्राचार

बिजली विभाग द्वारा सरकारी विभागों से निर्धारित समय में बिजली बिलों का भुगतान करने के लिए पत्राचार किया जाता है। लेकिन इसके बाद भी विभाग इसे गंभीरता से नहीं लेते है। यहीं वजह है कि सरकारी विभागों पर लंबे समय से करोड़ों रूपये के बिजली बिल बकाया है। इन बिलों की वसूली के लिए नोटिस भी दिए जाते है, लेकिन नोटिस का भी कोई असर विभागों पर नहीं पड़ता है। यह जरूर है कि कुछ विभागों द्वारा पत्राचार या नोटिस मिलने के बाद कुछ राशि जमा कर दी जाती है। लेकिन शेष राशि जमा करने में विभाग दिलचस्पी नहीं दिखाते है। जिससे विभागों पर बिजली बिलों का बकाया लगातार बढ़ता जा रहा है।

लोगों को उत्कृष्ट सेवाएं देने के निर्देश

सीएमओ नितिन बिजवे ने संभाला नपा सारनी का पदभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारनी

नगर पालिका परिषद सारनी में नवागत सीएमओ नितिन बिजवे द्वारा पदभार ग्रहण किया। प्रभार गृहण के साथ ही श्री बिजवे एक्शन मूड में दिखाई दिए। उन्होंने विकास कार्यों को गति देने और नागरिकों को उत्कृष्ट सेवाएं देने के निर्देश दिए। नगर पालिका परिषद सारनी में मुख्य नगर पालिका अधिकारी का प्रभार गुरुवार 10 सितंबर को अपरान्ह मुख्य नगरपालिका अधिकारी नितिन बिजवे ने नगर पालिका परिषद सारनी का पदभार ग्रहण किया। प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी हितेश शाक्य ने उन्हें प्रभार सौंपा। पदभार ग्रहण करने के उपरांत ही मुख्य नगरपालिका अधिकारी नितिन बिजवे ने निकाय के अधिकारी, कर्मचारियों की औपचारिक बैठक ली एवं शासकीय योजनाओं एवं शासकीय कार्यों की जानकारी हासिल की। उन्होंने शासन की योजनाओं को समयसीमा में पूर्ण करने, विकास कार्यों को गति देने और आम नागरिकों को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।

5 दिन में 125 किमी की पदयात्रा

मातारानी के भक्त ग्राम कोटमी शाहपुर से पहुंचे सलकनपुर धाम

शाहपुर। आज गुरुवार को लगभग 200 मातारानी के भक्तों के द्वारा पैदल यात्रा 125 किलोमीटर की 5 दिन में पूरी करेंगे और 14 सितंबर को सलकनपुर मंदिर में पूजा अर्चना विधि विधान के साथ करने के बाद अपने ग्रह ग्राम वापस पहुंचेंगे। पैदल पद यात्रियों का दल का यह 27 वां वर्ष है। दल के प्रमुख गुन्नू कजोडे ने बताया कि वह यह पैदल यात्रा अपने क्षेत्र में सुख शांति और वर्ष भर सुखमय जीवन के लिए सभी के द्वारा की जाती है। उन्होंने बताया कि माता रानी उन्हें सुखों से भरपूर रखती है। सभी पदयात्रा दल डी जे, बाजे के साथ माता रानी के भजनों पर झूमते हुए, नृत्य करते हुए इस यात्रा को सुगम बनाते हुए शुभ यात्रा करते हैं। जिसमें ग्राम कोटमी के पूर्व सरपंच मोहन धुर्वे, राजा धुर्वे, शाहपुर से नीरज परसाई और हीरापुर ग्राम से भी, और अन्य आसपास के ग्रामों के भक्तगण पदयात्रा को कर रहे हैं।

गोवंश से भरी इंडिका का 30 किमी पीछा कर पकड़ा, अंधेरे में दो आरोपी फरार

रस्सियों से पैर बांधकर एक-दूसरे के ऊपर लादकर रखा था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैतूल

राष्ट्रीय हिंदू सेना की सूचना पर घोड़ाडोंगरी पुलिस ने गोवंश तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए पांच गायों से भरी टाटा इंडिका कार पकड़ी। वाहन का करीब 30 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद घोड़ाडोंगरी रेलवे गेट के पास नाकाबंदी कर कार को रोका गया। नाकाबंदी देखकर कार में सवार कथित दो आरोपी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन छोडक़र फरार हो गए। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। राष्ट्रीय हिंदू सेना के सोशल मीडिया प्रभारी सत्यम विश्वकर्मा के अनुसार प्रदेश संयोजक पवन मालवीय को सूचना मिली थी कि रानीपुर क्षेत्र के सोभापुर-मेहकार गांव की ओर से काले शीशों वाली टाटा इंडिका में गोवंश भरकर महाराष्ट्र ले जाया जा रहा है।

सूचना पर प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय, जिला युवा मंत्री राज यादव सहित कार्यकर्ता रानीपुर रोड के चिकलार क्षेत्र पहुंचे। वाहन को रोकने का प्रयास किया गया तो चालक कार को रानीपुर की ओर तेज गति से भगाने लगा। दीपक मालवीय ने पुलिस कंट्रोल रूम के साथ रानीपुर और घोड़ाडोंगरी पुलिस को सूचना दी और कार्यकर्ताओं ने पीछा जारी रखा। जिला युवा महामंत्री राज पाटीदार के अनुसार घोड़ाडोंगरी में पुलिस और संगठन की सहायता से रेलवे गेट के पास नाकाबंदी कर

कार को पकड़ लिया गया। कार की पिछली सीट हटाकर पांच गायों को चारों पैर रस्सियों से बांधकर एक-दूसरे के ऊपर लादा गया था। संगठन पदाधिकारियों और पुलिस की मदद से सभी गायों को बाहर निकालकर घोड़ाडोंगरी की गौशाला पहुंचाया गया, जहां पशु चिकित्सक से उपचार कराया गया। प्रखंड गौरक्षा प्रमुख आशीष धोटे (छोटे) ने बताया कि गोवंश को जिस तरह से भरा गया था, उससे प्रथम दृष्टया उन्हें अवैध रूप से महाराष्ट्र ले जाने की आशंका है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय के आवेदन पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संगठन ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। कार्रवाई के दौरान घोड़ाडोंगरी चौकी प्रभारी एसआई आशीष कुमरे, प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय, प्रदेश संयोजक पवन मालवीय, युवा महामंत्री राज पाटीदार, युवा मंत्री राज यादव आदि रहे मौजूद।

दुष्कर्म मामले में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से की मुलाकात

बैतूल। जिले के घोडाडोगरी विकासखंड के एक निजी स्कूल में सुरक्षाकर्मी द्वारा नाबालिग बच्ची के साथ हुई दुष्कर्म की घटना को लेकर आज भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार के नेतृत्व मे भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने इस हृदय विदारक घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए पुलिस अधीक्षक से आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी वैधानिक कार्यवाही करने का आग्रह किया। भाजपा प्रतिनिधियों ने कहा कि स्कूल जैसे सुरक्षित परिसर में इस प्रकार की घटना बेहद निंदनीय है और इससे अभिभावकों में भय का माहौल है। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष एवं सूक्ष्मता से जांच कर आरोपी के विरूद्व ठोस कार्यवाही की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगे। पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर आरोपी पर कठोर कार्रवाई की मांग

मासूम के साथ दुराचार के विरोध में सड़क पर उतरी एनएसयूआई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैतूल

5 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई दुराचार की घटना के विरोध में एनएसयूआई ने सडक़ पर उतरकर विरोध रैली निकाली। रैली के बाद कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर घटना के आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। जिला उपाध्यक्ष निलेश धुर्वे ने ज्ञापन में कहा कि एनएसयूआई इस घटना की घोर निंदा करता है। उन्होंने प्रशासन से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के साथ ही जिस स्कूल में यह घटना हुई है, उसकी मान्यता रद्द करने की मांग की। एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष अमन ख़ान ने कहा कि मासूम बच्ची के साथ हुआ यह कृत्य समाज के लिए कलंक है। उन्होंने आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए प्रकरण को फास्ट ट्रैक कोर्ट में पेश कर जल्द से जल्द कठोर सजा दिलाने की मांग की। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसी घटनाओं में त्वरित और सख्त कार्रवाई से ही पीड़ित परिवार को न्याय और समाज में प्रभावी संदेश दिया जा सकता है। ज्ञापन सौंपने वालों में ऋषि दीक्षित, जंकी शाह, पूर्णिमा वाघमारे, सचिन अतुलकर, विकाश मेहरा, आतिफ अली, अमित धुर्वे, वंशिका नागले और रानी अहाके सहित दो दर्जन से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

आरोपी को फांसी की मांग, आज शिवाजी चौक पर जुटेंगे शहरवासी

बैतूल। 5 वर्षीय मासूम के साथ दुराचार की घटना सामने आने के बाद शहर में आक्रोश है। घटना के विरोध में जागरूक नागरिकों ने आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग को लेकर आज शुक्रवार दोपहर 12 बजे शिवाजी चौक पर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। सामाजिक कार्यकर्ता राजेश गावंडे ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि ऐसे जघन्य अपराधों के दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने शहर के सामाजिक संगठनों, मातृशक्ति, युवाओं और प्रबुद्ध नागरिकों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। प्रदर्शन के बाद पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता की एकजुट आवाज से प्रशासन तक मांग मजबूती से पहुंचेगी।

कलेक्टर ने माइन क्लोजर एडवाइजरी कमेटी की बैठक में दिए निर्देश

माइन क्लोजर फंड से प्रभावित पंचायतों में आजीविका और अधोसंरचना विकास की कार्ययोजना बनाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैतूल

कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे की अध्यक्षता में माइन क्लोजर एडवाइजरी एक्टिविटी के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्व में किए गए सभी माइन क्लोजर कार्यों के फंड का व्यवस्थित आंकलन कर प्रभावित पंचायतों में विकास एवं आजीविका से जुड़ी गतिविधियों की समग्र कार्ययोजना तैयार की जाए।

कार्ययोजना में संबंधित पंचायतों के जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत गणेश जायसवाल, जिला खनिज अधिकारी मनीष पालेवाल, प्रबंधक एनआरएलएम सतीश पवार सहित डब्ल्यूसीएल के पदाधिकारी, सरपंच, सचिव उपस्थित रहें। कलेक्टर ने कहा कि छतरपुर 2, शोभापुर और सतपुड़ा 1 के माइन क्लोजर के तहत प्रभावित सभी 7 ग्राम पंचायतों में अधोसंरचना विकास, आजीविका संवर्धन, स्किल डेवलपमेंट, इको टूरिज्म, सोलर एनर्जी, महिला सशक्तिकरण, सस्टेनेबल लिविंग एवं पौधरोपण जैसी गतिविधियों

को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि डब्ल्यूसीएल द्वारा सीएसआर के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियां जिला सीएसआर समिति के अनुमोदन के उपरांत ही संचालित की जाएं, ताकि कार्यों की पुनरावृत्ति न हो और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

महुआ, तेंदूपत्ता और फलदार पौधों का किया जाए रोपण: कलेक्टर ने माइन क्लोजर के अंतर्गत पौधरोपण कार्यों को पूरी तरह व्यवस्थित एवं डिमार्केशन के साथ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए महुआ, तेंदूपत्ता एवं फलदार प्रजातियों के पौधे लगाए जाएं, जिससे भविष्य में ग्रामीणों को इनसे संग्रहण एवं आजीविका के अवसर भी प्राप्त हो सकें। उन्होंने वाटर स्ट्रक्चर के निर्माण के दौरान जल संरचनाओं को वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित तरीके से विकसित करने तथा अधिक से अधिक जल संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में टेरी संस्था द्वारा भोगीखापा, छतरपुर एवं शोभापुर में संचालित सिलाई, सेनेटरी नैपकिन निर्माण, ऑर्गेनिक फार्मिंग एवं वर्मी कंपोस्ट जैसी गतिविधियों की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने इन गतिविधियों को बेहतर मार्केट लिंकेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय स्तर पर शुरू किए गए आजीविका कार्य स्थायी रूप से संचालित हो सकें।

समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश

कलेक्टर ने शोभापुर स्थित कम्युनिटी हॉल को सीएसआर के माध्यम से विकसित करने के निर्देश डब्ल्यूसीएल अधिकारियों को दिए। साथ ही समूह की महिलाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संबंधित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि महिलाएं आधुनिक तकनीक से जुडक़र अपनी कार्यक्षमता एवं आजीविका के अवसरों का विस्तार कर सकें। बैठक में अंडर द ट्री संस्था द्वारा मधुमक्खी पालन की अच्छी प्रैक्टिस पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। अधिकारियों एवं संबंधित संस्थाओं द्वारा माइन क्लोजर के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे विभिन्न विकास एवं आजीविका संबंधी कार्यों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई। उन्होंने विक्रमपुर में सडक़, छतरपुर में पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

शिक्षा संजीवनी अभियान में सहभागी बने डब्ल्यूसीएल

कलेक्टर ने शिक्षा संजीवनी अभियान के तहत माइनिंग प्रभावित पंचायतों के शासकीय विद्यालयों के उन्नयन में डब्ल्यूसीएल को सक्रिय सहभागिता करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में आवश्यक अधोसंरचना एवं शैक्षणिक सुविधाओं के विकास के लिए स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। उन्होंने डिजिटल लर्निंग सेंटर, प्रीकम स्कूल एक्टिविटी के बड़े प्रोजेक्टर सीएसआर से प्रस्तावित करने के निर्देश दिए।

अनुपस्थित कर्मचारियों का काटा वेतन

कलेक्टर ने शासकीय कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ सोनवणे ने गुरुवार को जनपद पंचायत, मत्स्य, खनिज विभाग सहित अन्य विभागों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार लाने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने जनपद पंचायत के निरीक्षण के दौरान अधिकांश कर्मचारियों के अनुपस्थित मिलने पर नाराजगी व्यक्ति की और उन्होंने अनुपस्थित कर्मचारियों के एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मत्स्य विभाग के निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड रूम में उचित व्यवस्था नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की उन्होंने संबंधित अधिकारी को अभिलेखों को व्यवस्थित रखने तथा रिकॉर्ड रूम की व्यवस्थाओं में सुधार के सख्त निर्देश दिए। इसके बाद कलेक्टर ने कार्यालय परियोजना प्रशासक, एकीकृत आवासीय विकास परियोजना तथा खनिज विभाग का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालयों में दस्तावेजों एवं फाइलों के व्यवस्थित रख-रखाव, साफ-सफाई तथा कार्यस्थल की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खनिज विभाग के निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी कक्षों के बाहर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के पदनाम सहित नेम प्लेट लगाने के निर्देश दिए। साथ ही रिकॉर्ड रूम में रखी फाइलों को भी व्यवस्थित रूप से बॉक्स में सुरक्षित रखने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

बेटी को आप्टीकस कोर्स सिखाया

पिपरिया। सिविल अस्पताल में पदस्थ सहायक नेत्र चिकित्सा अधिकारी डॉ श्याम सुंदर सोडानीकी बेटी सोनाली सोडानीनेडिपलोमा इन आप्टीकस एंड रिफ्लेक्शन कोर्स में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। भोपाल के मेडिकल कॉलेज के एलाइड हेल्थ केयर प्रोफेशनल पैरामेडिकल कोर्स की छात्रा सोनाली सोडाणी ने डिप्लोमा कोर्स में द्वितीय वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कालेज प्रबंधन द्वारा सैनालीको सर्टिफिकेट आप एक्सीलेंस प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त कर शहर का परिवार का नाम रोशन किया है। डा अजय गोयनका आशुतोष मग़लगिरी अलका श्रीवास्तव द्वारा विश्व फिजियोथेरेपी डे पर प्रदान किया गया। जिसके कारण श्रेय अपने माता-पिता को दिया गया है। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों ने बधाई दी है।

स्वर्गीय निकेश वर्मा की स्मृति में किया पौधरोपण

माखन नगर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार स्वर्गीय मथुरा प्रसाद वर्मा बड़े पुत्र स्वर्गीय निकेश वर्मा निधन के पश्चात उनकी स्मृति में मुक्तिधाम में सफाई एवं पौधरोपण का कार्य किया गया। मुक्तिधाम में सफाई एवं वृक्षारोपण करने उनके पुत्र _मोनू , सोनू व राहुल वर्मा तथा उनके भाई प्रदीप , दीपक, जयहिंद व स्वतंत्र वर्मा भी मौजूद रहे।

नागरिक संघर्ष समिति प्रतिनिधि मंडल ने की विधायक से भेंट

हम बाजार को व्यवस्थित करना चाहते ताकि फायर ब्रिगेड पहुंच सके: विधायक

नागरिक संघर्ष समिति संयोजक अधिवक्ता शिवकुमार पटेल ने बताया कि प्रतिनिधि मंडल ने सोहागपुर क्षेत्र विकास की कई मांगे विधायक के समक्ष रखीं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोहागपुर

हम सोहागपुर शहर के बाजार को व्यवस्थित करना चाहते हैं। क्योंकि यदि दुर्भाग्य से बाजार में आग लगे तो चौड़े रास्तों से फायर ब्रिगेड पहुंच सके। उक्त बात सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने नागरिक संघर्ष समिति सदस्यों से कही। उल्लेखनीय है कि बुधवार को समिति का प्रतिनिधि मंडल विधायक से मिलने पहुंचा था।

नागरिक संघर्ष समिति संयोजक अधिवक्ता शिवकुमार पटेल ने बताया कि प्रतिनिधि मंडल ने सोहागपुर क्षेत्र विकास की कई मांगे विधायक के समक्ष रखीं व मांगों की शीघ्र पूर्णता का आश्वासन विधायक विजयपाल सिंह ने दिया है। विधायक ने कहा कि कुछ मांगे स्वीकृति में एवं धरातल पर सफल होने में समय लेंगीं। अतः नागरिकों को इस हेतु संयम के साथ प्रतीक्षा करनी होगी। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ समाजसेवी कन्नूलाल अग्रवाल, महेश साहू, कृष्णा पालीवाल, जेपी माहेश्वरी, अधिवक्ता शिरीष तिवारी, अधिवक्ता अखिलेश मालवीय, रीतेंद्र ठाकुर, शरद चौरसिया प्रशांत रानू सोनी आदि सम्मिलित थे। इस दौरान नपाध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटेल, नप उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी, भाजपा मंडलाध्यक्ष अश्वनी सरोज आदि उपस्थित थे।

रखी ये मांगें

प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र विकास की मांगें विधायक विजयपाल सिंह के समक्ष रखी हैं। जिनमें रेलवे स्टेशन सोहागपुर पर जरूरी ट्रेनों के स्टॉपेज, प्लेटफार्म ऊंचा करना एवं डिस्प्ले बोर्ड लगाना, अंडरब्रिज अथवा ओवरब्रिज निर्माण की मांग मुख्य रूप से रखी गई हैं।

शहर में सार्वजनिक स्थलों पर जनता के लिए सुलभ कांप्लेक्स निर्माण, स्टेट हाईवे का सुधार, शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाना, जमनी मुक्तिधाम-रामगंज मार्ग में पलकमती नदी पर रिपटा निर्माण, अंबेडकर वार्ड को तिलक वार्ड व इंदिरा वार्ड से जोड़ने के लिए रेलवे पुल के नीचे रिपटा निर्माण, शहर के बाजार का सुंदर व्यवस्थापन, लीज नवीनीकरण, बाजार में पार्किंग सुविधा, एकीकृत कार्यालय निर्माण आदि मांगे मुख्य रूप से शामिल की गई हैं।

आगजनी से बचाव जरूरी

चर्चा दौरान विधायक विजयपाल सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बड़े शहरों के बाजारों में आगजनी हुई है। जहां फायर ब्रिगेड पहुंचने में दिक्कत हुई। सोहागपुर शहर के अव्यवस्थित बाजार की उचित व्यवस्था का विचार कई बार किया है। लेकिन व्यापारियों व जनता का अपेक्षानुरूप साथ नहीं मिला है। हम चाहते हैं कि बाजार का मुख्य रास्ता चौड़ा, व्यवस्थित तथा सुंदर हो। ताकि फायर ब्रिगेड पहुंच सके। वहीं उचित पार्किंग व्यवस्था भी बाजार में हो सके। लेकिन वर्षों से अव्यवस्थित बाजार को सुंदर बनाने में सबसे ज्यादा सहयोग व्यापारियों का लगेगा। बाजार को सुंदर रूप देने के लिए व्यापारियों बंधुओं को कुछ त्याग करना पड़ेगा। लेकिन इस त्याग के परिणाम सभी व्यापारियों व क्षेत्रवासियों के लिए बहुत अच्छे साबित होंगे। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल के माध्यम से क्षेत्र की जनता से सहयोग की अपील की है।

इनका कहना है

जन सहयोग मिले तो सुंदर बाजार व्यवस्थापन हो सकता है। लीज नवीनीकरण मामले में परिणाम जनक काम होने वाले हैं। जन अपेक्षाएं पूर्ण होंगी।

विजयपाल सिंह, विधायक, सोहागपुर।

आर्किटेक्ट कंपनी ने निर्माणाधीन भवन का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोहागपुर

सोहागपुर के संदीपनि स्कूल के निर्माणाधीन भवन का बुधवार को नाइन स्क्वेयर आर्किटेक्ट्स इंदौर की टीम ने निरीक्षण किया। टीम ने बारीकी से का निरीक्षण किया एवं सुधार योग्य सुझाव दिए हैं।

हरिभूमि ने मामले में आर्किटेक्ट चांदनी खानवेलकर से चर्चा की। संक्षिप्त चर्चा में प्रतिनिधि ने पूछा कि क्या कमियां नजर आई हैं। तो खानवेलकर ने कहा कि खामियां सुधारी जा सकती हैं, क्योंकि भवन अंडर प्रोग्रेस है। उन्होंने कहा कि सुधार का पर्याप्त समय ठेकेदार के पास है। इस दौरान नाइन स्क्वेयर आर्किटेक्ट्स इंदौर की आर्किटेक्ट चांदनी खानवेलकर, असिस्टेंट आर्किटेक्ट्स व अन्य सदस्यों सहित पीआईयू एसडीओ आरके कासदे एवं साथी कर्मचारी उपस्थित थे।

सीपेज बना गुणवत्ता पर दाग

निरीक्षण दौरान भूतल की छत पर सीपेज नज़र आया। स्पष्ट है कि बरसाती पानी भवन के दीवाल से टपका है। जांच टीम ने ठेकेदार के कर्मचारियों को त्रुटियां दूर करने को कहा। मैदान की बाउंड्री पर सीमेंट काटकर योजना अनुसार तय पौधे लगाने की बात भी जांच दल ने कही। हरिभूमि ने स्कूल प्रबंधन से चर्चा की। शिक्षकों ने कहा कि भवन में कमियां शिक्षा एवं पीआईयू विभाग अधिकारियों को बताई गई हैं। शिक्षकों ने बताया कि भवन की छत का पानी सीढ़ियों से भूतल पर आता है। गैलरी में ढलान कक्षों की ओर है। जिससे गैलरी में भरने वाला पानी कक्षों में पहुंचता है। सुधार का मांगपत्र भी स्कूल द्वारा संबंधित विभागों को सौंपा गया है।

पेंशनर्स संघ ने किया शिक्षक दिवस सम्मान समारोह का आयोजन, शिक्षक हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ माखननगर

पेंशनर्स संघ तहसील शाखा माखन नगर द्वारा पेंशनर संघ के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय कृष्ण कुमार गुरु के जन्मदिवस के अवसर पर शिक्षक दिवस सम्मान समारोह का आयोजन किया गया.। शिक्षक दिवस सम्मान समारोह के कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पेंशनर एम एल मीणा द्वारा की गई एवं मुख्य अतिथि के रूप में पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष दिनेश चतुर्वेदी भी अपनी टीम के साथ उक्त कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए,स्व.श्री कृष्ण कुमार गुरु का जन्मदिन होने से उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। सम्मान समारोह में पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के लगभग 18 से 20 शिक्षकों का सम्मान गुरु परिवार की ओर से कान्हा गुरु एवं अर्पित गुरु द्वारा सभी शिक्षकों को उपहार उपहार भेंट किये ।

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री आर एच चौरे द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री दिनेश चतुर्वेदी जी का माल्यार्पण से स्वागत किया गया और इसी श्रृंखला में श्री एस एल चौरे भी शिक्षकों का माल्यार्पण और उपहार देकर सम्मान किया गया। आयोजक श्री कान्हा गुरु द्वारा जिलाध्यक्ष श्री दिनेश चतुर्वेदी का माल्यार्पण एवं उपहार देकर सम्मान किय गया। जिलाध्यक्ष दिनेश चतुर्वेदी द्वारा कार्यक्रम की सराहना करते हुए पेंशनर के लिए निरंतर उनके संघर्ष के लिए प्रयास करने के बारे में चर्चा की और अंत में कार्यक्रम अध्यक्ष द्वारा भी अपने संबोधन में कार्यक्रम की सराहना की और आभार प्रदर्शन कान्हा गुरु द्वारा किया गया।

आंगनबाड़ियों में मनाया गया 9वां राष्ट्रीय पोषण माह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पचमढ़ी

पचमढ़ी की आंगनबाड़ियों में 9 वा राष्ट्रीय पोषण माह मनाया गया। 09 सितम्बर 26 से 08 अक्टूबर 26 तक यह कार्यक्रम चलेगा। आंगनबाड़ी वार्ड नं 2 में बच्चों एवं माताओं ने छोटी सी रैली निकालकर संतुलित आहार से पोषण के महत्व का संदेश दिया। वहीं वार्ड नं 3 में गर्भवती महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं को लाभान्वित करने तथा पोषण का महत्व बताया गया। पूरे भारत में ये कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में जन समुदाय को भी जोड़ा गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विमला चौधरी सहायिका सुषमा रैदास ने महिलाओं को शपथ दिलाई और दिवारो पर पोषण संबंधित स्लोगन भी लिखे गए।

राज्य कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन, शासन से की समस्या के निराकरण की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पिपरिया

मध्यप्रदेश राज्य सरकार के मुख्यमंत्री के नाम राज्य कर्मचारी संयुक्त संघ भारतीय मजदूर संघ राष्ट्रीय कर्मचारी महासंघ सहित राज्य शिक्षक संघ के द्वारा नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने वालों ने ब्लाक अध्यक्ष ब्रज भूषण शर्मा ,नीतीराज सिंह ठाकुर दिलीप कुमार गिरवर पुरुविया राजेन्द्र सिंह सीताराम रघुवंशी केलाश रघुवंशी प्रेम शंकर साहु धीरेन्द्र सिंह मनोज पटेल सीता पटेल मीनाक्षी मंडलोई दीपा मालवीय शीला धुर्वे मंजू ठाकुर सहित अन्य सभी पदाधिकारियों उसकी उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। तथा लगभग 24 बिन्दु पर ज्ञापन सौंपा गया है। जिसमें सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए थे। ज्ञापन में सभी विभागों की समस्या निराकरण करने की मांग की गई है। पुरानी पेंशन एवं ग्रेच्युटी अधिकतम वेतन केंद्र के समान दिया जाने की मांग की गई है। महंगाई भत्ता केंद्र के समान दो संतान संबंधी की बाध्यता समाप्त की जावे। नियमित करने एवं आउटसोर्स कर्मचारियों दैनिक वेतनभोगी संविदा स्थाई कर्मी को रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। सातवे वेतन का लाभ पंचायत सचिव जनों को विधिवत सिविलियन की मांग की है। क्रषि अधिकारी की लंबित मांगों वेतन विसंगति को समाप्त करने की मांग कीहै। सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी वर्ग को नियमानुसार सम्पूर्ण राशि भुगतान करने की मांग की है।जब तक सम्पूर्ण मांग पूरी नहीं होती है।तब तक लगातार प्रयास किया गया जाएगा।

एसटीआर में किया दो दिवसीय सह प्रशिक्षण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पचमढ़ी

मध्य प्रदेश शासन वन विभाग द्वारा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पचमढ़ी के रजिस्टर 153 गाइडों को 'गाइड रिफ्रेशर कोर्स सह प्रशिक्षण' की दो दिवसीय कार्य शाला 10 सितंबर 26 से 11 सितंबर 26 तक का आयोजन मध्यप्रदेश पर्यटन की होटल ग्लेन व्यू पचमढ़ी में रखा गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि एक गाईड को पर्यटकों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। जब भी पर्यटकों से मिले तो उनका अभिवादन कैसे करे। क्लीन सेव, व्यवस्थित ड्रेस,जूते आदि का ध्यान देना चाहिए। जंगल,वनस्पति,जीव जंतु,सांप एवं पक्षियों की विस्तृत जानकारी दी गई। सहायक संचालक संजीव शर्मा ने बताया कि वन विभाग द्वारा प्रति वर्ष गाइडों के लिए 'रिफ्रेशर सह प्रशिक्षण' का आयोजन कराया जाता हैं ताकि गाइडों को कुछ नया सीखने को मिले ज्ञान में वृद्धि हो साथ ही जो पूर्व में सिखाया गया है।

समर्थन मूल्य पर खरीदी में हम्माल मजदूरी से वंचित

सोहागपुर। समर्थन मूल्य पर उपज खरीदी प्रक्रिया में हम्माल सबसे निचले स्तर पर कार्य करते हैं। लेकिन इनकी मजदूरी प्रशासनिक लापरवाही के चलते समय पर नहीं मिल पाती है। सोहागपुर के हम्मालों को लाखों रुपए का भुगतान अभी बाकी है जानकारी अनुसार सोहागपुर क्षेत्र में समर्थन मूल्य पर इस वर्ष की गई गेहूं तथा मूंग खरीदी में तुलाई करने वाले हम्मालों को सरकार से बहुत बड़ी राशि मजदूरी में लेना है। सोहागपुर क्षेत्र के हम्मालों के मुकद्दम कमलेश चौधरी ने बताया कि इस वर्ष समर्थन मूल्य पर 35000 क्विंटल गेहूं की तुलाई रितु वेयरहाउस पर की गई थी। जहां उनके हम्माल गए थे। एवं हम्माली भुगतान की लगभग सात लाख रुपये की राशि में से मात्र तीन लाख रुपये का भुगतान हुआ है। चार लाख रुपये का भुगतान अभी भी शेष है। वहीं इस वर्ष की समर्थन मूल्य पर की गई मूंग खरीदी में जगदंबा वेयरहाउस में चौधरी की टीम के हम्मालों ने 26000 क्विंटल मूंग की तुलाई की थी। जिसके बदले हम्मालों को पांच लाख रुपये की हम्माली मिलना था। लेकिन हम्माली की राशि अभी नहीं मिली है। कमलेश चौधरी ने बताया कि इस तरह उनके द्वारा दिए गए लगभग 70 हम्मालों की टीम को गेहूं खरीदी और मूंग खरीदी का नौ लाख रुपये की मजदूरी का भुगतान अभी भी शेष है। चौधरी ने बताया कि यदि शीघ्र हम्माली का भुगतान नहीं होता है, तो वे हम्मालों के साथ एसडीएम कार्यालय के समक्ष धरना देंगे। वहीं एसडीएम बबीता राठौर का कहना था कि मैं अभी संबंधित जिला अधिकारी से बात करती हूं। ताकि मजदूरों को मजदूरी मिल सके।

सफाई कर्मियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी, नहीं उठा कचरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पिपरिया

पिपरिया नगरपालिका परिषद क्षेत्र में 9 सितंबर को नगरपालिका परिषद के सभी सफाई कर्मचारी संगठन के लोग काम बंद हड़ताल पर बैठे हुए थे।तो शहर में कहीं भी झाड़ू नहीं लगाईं गई और ना ही कचरा उठाया गया।अंजाक संघ के जिला अध्यक्ष रविशंकर वाल्मीकि सहित अन्य लोग जिला कलेक्टर कार्यालय के समीप धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। जिसमें नर्मदा पुरम जिला के सभी नगरपालिका परिषद नगरीय प्रशासन के सफाई कर्मचारी संगठन के लोग अपने-अपने क्षेत्र में लगातार हड़ताल पर बैठे हुए थे।इस मामले में मुख्य नगरपालिका अधिकारी सतीश मालवीय सहित सेनेटरी शाखा प्रभारी अरुण ठाकुर ने बताया कि जिला कार्यालय में संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन सभी नगरपालिका परिषद क्षेत्र के मुख्य नगरपालिका अधिकारी परियोजना अधिकारी के साथ बैठक की गई है। कुछ मांगों को लेकर लगातार विचार किया जा रहा है। लेकिन कुछ संभव ही नहीं है।इन सभी मुद्दों पर रविशंकर वाल्मीकि सहित अन्य सभी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं से चर्चा की जा रही है। प्रयास किया जा रहा है। यदि हड़ताल खत्म कर काम पर लौटे तो तो ठीक है। नहीं तो जो सफाई कर्मचारी रैगूलर है उनसे कार्य कराया जावेगा।

इस विषय में नगरपालिका अध्यक्ष नीना नवनीत नागपाल ने कहा कि वर्ष 2007से 2016तक विनियमित करने की जानकारी प्राप्त हुई है।शेष मांगों पर विचार संभव नहीं है। फिर भी प्रयास किया जावेगा।

जयपुर व जैसलमेर से दो आरोपी पकड़े

माखन नगर। गत 21 फरवरी को को फरियादिया जशवती यादव ने थाना माखननगर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा वाट्सएप के माध्यम से संपर्क कर सोने के गहने भेजने एवं कस्टम संबंधी प्रक्रिया के नाम पर उनसे कुल 1,29,000/- जमा करवाकर धोखाधड़ी की गई। रिपोर्ट पर थाना माखननगर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। एसडीओपी अरविन्द शाह के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में थाना प्रभारी माखननगर निरीक्षक कंचन सिंह ठाकुर के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान तकनीकी एवं अन्य संकलित साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम द्वारा राजस्थान के जयपुर एवं जैसलमेर में कार्रवाई करते हुए आरोपी अनूप पिता तेजराम मीना, उम्र 24 वर्ष, निवासी चाकसू, राजस्थान तथा हीरसिंह पिता बगतसिंह राजपुरोहित, उम्र 26 वर्ष, निवासी जैसलमेर, राजस्थान को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों द्वारा फरियादिया से कस्टम फ्रॉड के नाम पर जमा कराई गई राशि प्राप्त करना स्वीकार किया गया। प्रकरण में आरोपियों से साइबर ठगी की 1,29,000/- की राशि जब्त* की गई है। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी मर्यादित (बी. पेक्स) की बार्षिक आम सभा सूचना

बार्षिक आमसभा दिनांक 10/09/2026

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित नर्मदापुरम की शाखा-शोभापुर के अंतर्गत आने वाली सहकारी संस्थाओं के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की बार्षिक आमसभा का आयोजन निम्नलिखित दिनांकों मैं दोपहर 12.30 बजे संस्था मुख्यालय पर रखा गया है। जिसमें समस्त समितियों के कृषक एवं संबंधित अधिकारी / कर्मचारियों की उपस्थिति समिति मुख्यालय मैं प्रार्थनीय है। गणपूर्ति के अभाव में आधा घंटे पश्चात उसी स्थान पर बार्षिक साधारण आमसभा आयोजित की जावेगी ।

बार्षिक आमसभा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 49 (3) के अनुसार विषय होंगे।

विषय सूची

1. संस्था के बार्षिक वित्तीय पत्रक वर्ष 2025-26 का वाचन एवं पुष्टि करना ।
2. संस्था के लाभ हानि पर विचार ।
3. संस्था के प्राप्त आडिट रिपोर्ट के आक्षेपों एवं सुझाव निराकरण कर पालन प्रतिवेदन वावत विचार ।
4. संस्था के वार्षिक वजट 2026-27 की स्वीकृति एवं गत वर्ष के प्रस्तावित वजट अनुसार किये गये व्यय की स्वीकृति पर विचार बाबत ।
5. संस्था द्वारा गत वर्ष की बैठकों मैं लिए गए निर्णयों के अनुमोदन कराने बाबत विचार ।
6. संस्था द्वारा किये गये व्यवसाय समर्थन मूल्य गेहूँ, चना, धान, मूंग उपार्जन वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के व्यवसाय के दौरान हयी परिवहन शार्टेज, क्षति, एवं तत्कालीन व्यवस्था अंतर्गत किये गये आकस्मिक कार्यों पर किये गये अधिक व्यय को संस्था के लाभांश से उक्त राशि समायोजित करने हेतु विचार ।
7. संस्था शोभाप्र, रानीपिपरिया से पृथक ह्वी समिति भौंखेडीकलाँ, वरुआढाना पर विचार ।
8. अन्य विषयप्रशासक/अध्यक्ष महोदय की अनुमति से ।

क्र.	समिति का नाम	पंजीयन क्रमांक	आमसभा दिनांक	आमसभा का दिन
1.	बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सह. समिति मर्यादित शोभापुर	1582	09/28/2026	सोमबार
2.	बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सह. समिति मर्यादित रानीपिपरिया	1581	09/28/2026	सोमबार
3.	बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सह. समिति मर्यादित खिडिया	1583	09/28/2026	सोमबार
4.	बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सह. समिति मर्यादित सौंसारखेडा	2570	09/29/2026	गुरूवार
5.	बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सह. समिति मर्यादित चंदेरी	1992	09/29/2026	गुरूवार
6.	बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सह. समिति मर्यादित माछा	1993	09/25/2026	शुक्रवार
7.	बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सह. समिति मर्यादित ठीकरी	1994	09/25/2026	शुक्रवार

समिति प्रबंधक/प्रशासक
बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सह. समितियां शाखा शोभापुर

हिंदी दिवस पर संकल्प फाउंडेशन करेगा कार्यक्रम

वाद-विवाद प्रतियोगिता का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पचमढ़ी

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर संकल्प फाउंडेशन, पिपरिया द्वारा विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति सम्मान, प्रभावशाली वक्तृत्व कला, तार्किक चिंतन एवं राष्ट्रहित की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 14 सितंबर 2026 (सोमवार) दोपहर 12:00 बजे जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

संकल्प फाउंडेशन द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष इस प्रकार के बौद्धिक आयोजन किए जाते हैं। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने, स्वस्थ एवं तार्किक संवाद को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रहित से जुड़े समसामयिक विषयों पर गंभीर चिंतन की संस्कृति को विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय ₹क्या सोशल मीडिया आज के युवाओं को राष्ट्रहित से जोड़ रहा है ?₹ रखा गया है। वर्तमान समय में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए यह विषय युवाओं के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। प्रतिभागी इस विषय पर पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार, तर्क एवं दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे।

प्रतियोगिता में जिले के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं सहभागिता कर सकेंगे। कार्यक्रम का आयोजन संकल्प क्लासेस, गोल्डन सिटी कॉलोनी, पचमढ़ी रोड, पिपरिया में किया जाएगा। प्रतियोगिता में पक्ष एवं विपक्ष दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों सहित कुल 06 विजेताओं को ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। संकल्प फाउंडेशन के संस्थापक निरंजन वैष्णव ने बताया कि संस्था शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण की भावना से प्रेरित जागरूक, अनुशासित एवं जिम्मेदार युवाओं के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

ग्रामसभा में महिलाओं और ग्रामीणों की उपस्थिति में प्रस्ताव में लगाया आरोप

गांव में बेची जा रही अवैध-शराब में केमिकल कीटनाशक और जहरीले पदार्थ की मिलावट

ग्रामीणों का आरोप है कि मिलावटी शराब से अकाल मौतों का सिलसिला निरंतर चल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झिरन्या

मध्यप्रदेश के सागर में जहरीली शराब से मौतों के बाद पूरे प्रदेश में हड़कंप है, वहीं खरगोन जिले के इस आदिवासी अंचल में कमोबेश ऐसा ही ख़तरा खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि मिलावटी शराब से अकाल मौतों का सिलसिला निरंतर चल रहा है। वहीं,सांईखेड़ा की ग्रामसभा में सरपंच भाईराम चौहान की मौजूदगी में एक प्रस्ताव भी पारित किया है,जिसमें मिलावटी-जहरीली शराब-बिक्री का आरोप लगाया गया है। वहीं, सांईखेड़ा और बांयखेड़ा के महिला-आंदोलनों के बाद कोई बड़ी कार्रवाई नहीं होने और चोरी-छिपे शराब-बिक्री से ग्रामीणों में नाराजगी है।

उल्लेखनीय है कि ग्राम सांईखेड़ा की महिलाओं ने 7 सितम्बर को स्थानीय थाना पहुंचकर ज्ञापन सौंपा था,जिसमें कच्ची-पक्की शराब के अवैध-परिवहन और बिक्री पर रोक लगाने की मांग की गई थी। इसके बाद भी वहां शराब करीब डेढ़-दर्जन से अधिक स्थानों से चोरी-छिपे शराब-बिक्री जारी थी। फलस्वरूप 9 सितंबर को ग्राम पंचायत-भवन में ग्रामसभा आयोजित की गई,जिसमें महिलाओं और ग्रामीणों की उपस्थिति में प्रस्ताव पारित किया गया।

जिसमें कहा गया है कि गांव में बेची जा रही कच्ची-पक्की अवैध-शराब में केमिकल, कीटनाशक व जहरीले पदार्थ की मिलावट हो रही है। फलस्वरूप कई बुजुर्ग बीमार पड़ रहे हैं और कई युवाओं की मौत हो चुकी है। जिससे सर्वसम्मति से पूर्ण रूप से शराब-बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाता है। यदि कोई व्यक्ति शराब बेचते पाया गया तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई कर जेल भेजा जाएगा और 51 हजार रुपये का आर्थिक दंड वसूला जाएगा। सरपंच भाईराम चौहान की उपस्थिति में जीआरएस सुनील सिसौदिया ने प्रस्ताव का वाचन किया। ग्रामीणों में प्रहलाद सूर्यवंशी, भीमसिंह तंवर, राजाराम मोये, प्रदीप सिसौदिया, अशोक मोये, कालू मोये, सुनीता बाई, रेखाबाई, समोतीबाई, कामिनी बाई, देवकीबाई आदि उपस्थित थे।

मंगलवार को पहुंची जनसुनवाई में

वहीं ग्राम बांयखेड़ा की महिलाएं और ग्रामीण मंगलवार को जनसुनवाई में खरगोन पहुंचे थे। उन्होंने जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा है,जिसमें ग्रामसभा के शराब-बिक्री पर रोक एवं रू.50 हजार के सामाजिक-अर्थदंड की जानकारी भी दी गई। इसके बाद वे जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय पहुंचे और आबकारी सहायक निरीक्षक सार्थक वर्मा को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने अवैध-शराब बिक्री के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इसके बाद वे भीकनगांव एसडीएम लोकेश छापरे के कार्यालय पहुंचे, उनके अन्यत्र होने से तहसीलदार प्रतापसिंह अजनारे को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई का अनुरोध किया है।

पुलिस-दल पहुंचा,की कार्रवाई

जैसे ही महिलाएं मंगलवार की शाम ग्राम बांयखेड़ा पहुंची,इसके पूर्व ही थाना प्रभारी गनपत कनेल पुलिस-बल सहित उक्त गाँव सहित सांईखेड़ा में भी शराब विक्रय की धरपकड़ के लिए पहुंचे और संभावित-स्थलों की छानबीन एवं पूछताछ की गई। उन्होंने बताया कि अवैध-शराब विक्रेताओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करेंगे। उपसरपंच रामू दांगोड़े ने बताया कि चोरी-छुपे शराब-बिक्री हो रही है और विक्रेता धमकियां भी दे रहें हैं। थाना प्रभारी कनेल ने कहा कि किसी से डरने की आवश्यकता नहीं है और सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल कार्रवाई करेगी।

बेटी-ब्याहने को डरते हैं लोग, कुंवारें हैं युवक

ग्राम सांईखेड़ा और बांयखेड़ा की महिलाओं ने बताया कि दोनों गांव में युवा वर्ग नशे के आदी होने से वे शारीरिक-रूप से कमजोर हो रहे हैं और अकाल मौतें भी हो रही हैं। इसलिए यहां लोग अपनी बेटी-ब्याहने से डरते हैं और कई युवकों की शादियां नहीं हो रही है। जबकि विवाहित पुरुष मजदूरी की पूरी कमाई शराब में उड़ा देते हैं और महिलाओं को मजदूरी करके बच्चों का पालन-पोषण करना पड़ता है। घरेलू हिंसा और झगड़े आम हो गए हैं और गांव का सामाजिक-सद्भाव खराब हो रहा है। इन गांवों की महिलाओं में शारदाबाई,सीमाबाई रामप्यारीबाई, गंगाबाई, पार्वतीबाई, कंचनबाई, जमनाबाई ने बताया कि सबसे ज्यादा असर बालक-बालिकाओं पर हो रहा है, जिससे उन्हें स्कूल जाने की बजाय मजदूरी करना पड़ रही है। उन्होंने अधिकारियों से शराब के अवैध-परिवहन और बिक्री के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का अनुरोध किया है।

पंचायत उपनिर्वाचन 2026: संबंधित क्षेत्रों में धारा 163 लागू

हथियार, विस्फोटक, आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट व बिना अनुमति सभा-रैली पर पूर्ण प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरगोन

मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायतों में रिक्त पदों के उपनिर्वाचन (पूर्वार्द्ध) 2026 की घोषणा के उपरांत संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो चुकी है। उपनिर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने तथा लोक-परिशांति बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री गुरु प्रसाद ने 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक निषेधाज्ञा आदेश जारी किए हैं।

यह आदेश जिले के संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों—ग्राम पंचायत (पंच पद)/वार्ड, जिला पंचायत क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 19, विकासखंड बड़वाह की ग्राम पंचायत नावा (सरपंच पद), विकासखंड कसरावद के जनपद पंचायत सदस्य निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 20 व ग्राम पंचायत सत्राटी (सरपंच पद) तथा विकासखंड खरगोन के जनपद पंचायत सदस्य निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 12 की सीमांतर्गत निर्वाचन परिणाम घोषित होने तक प्रभावशील रहेगा। जारी आदेशानुसार संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थल पर आग्नेयास्त्र, खतरनाक धारदार हथियार, विस्फोटक सामग्री अथवा पटाखे लेकर नहीं चलेगा और न ही पटाखों का उपयोग करेगा। इसके साथ ही निर्वाचन अवधि के दौरान कांच की बोतलें, ईंट-पत्थर के टुकड़े एवं एसिड का संग्रहण करना अथवा उन्हें साथ लेकर चलना पूर्णतः वर्जित रहेगा। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सक्षम अधिकारी (रिटर्निंग अधिकारी) की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी प्रकार का जुलूस, रैली, आमसभा, वाहन रैली, हेलीकॉप्टर लैंडिंग या टेंट-पंडाल का निर्माण नहीं किया जा सकेगा, और न ही बिना विधिवत अनुमति के लाउडस्पीकर जैसे ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किया जा सकेगा। सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए भी सख्त प्रावधान किए गए हैं। फेसबुक, वाट्सएप, ईमेल व अन्य संचार माध्यमों पर किसी धर्म, जाति, संप्रदाय, दल या व्यक्ति विशेष के विरुद्ध आम लोगों की भावनाएं भड़काने वाले अथवा कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले आपत्तिजनक संदेश, चित्र, कमेंट, वीडियो या पोस्टर अपलोड करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा, सुरक्षा के दृष्टिगत कोई भी व्यक्ति नया किराएदार रखने पर उसकी सूचना तत्काल संबंधित थाना प्रभारी को देगा, तथा होटल, लॉज व धर्मशाला प्रबंधकों को भी ठहरने वाले आगंतुकों की दैनिक जानकारी थाने में प्रस्तुत करनी होगी। यह प्रतिबंधात्मक आदेश ड्यूटी पर तैनात कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों, पुलिस अधिकारियों, शासकीय कर्मचारियों, शवयात्रा अथवा जनाजे तथा विवाह समारोह के पारंपरिक आयोजनों पर लागू नहीं होगा। साथ ही सिख धर्म के अनुयायियों व विवाह के दूल्हा-दुल्हन को नियमानुसार कटार धारण करने की छूट रहेगी। जिला दंडाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया गया है और इसका उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। निर्वाचन अवधि में आम सभा, जुलूस, रोड शो, रैली के आयोजन तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर) के उपयोग को विनियमित व शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

प्रातः 6 से रात्रि 10 बजे तक की ही मिलेगी अनुमति

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आम सभाओं के आयोजन की अनुमति केवल प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे के मध्य ही दी जा सकेगी। सभा की अनुमति में दिनांक, स्थल एवं समय का स्पष्ट उल्लेख रहेगा तथा लाउडस्पीकर का उपयोग धीमी आवाज में करने के सख्त निर्देश रहेंगे। जुलूस एवं रैली की अनुमति में भी प्रारंभ होने का स्थान व समय, गुजरने वाले मार्ग तथा समाप्ति स्थल का पूरा विवरण स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाएगा।

■ **एक ही स्थान पर दो दलों को एक साथ अनुमति नहीं, 2 घंटे का अंतर रहेगा अनिवार्य**

शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्पष्ट किया गया है कि एक ही स्थान पर एक ही समय में दो अभ्यर्थियों या प्रत्याशियों को सभा की अनुमति कतई नहीं दी जाएगी। आयोजित सभाओं के बीच कम से कम 2 घंटे का समयांतराल रखा जाना अनिवार्य होगा ताकि कोई अप्रिय स्थिति निर्मित न हो। इसके अलावा, किसी भी शासकीय या अशासकीय स्कूल के खेल मैदान व परिसर में सभा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

■ **पंजी में दर्ज होगा आवेदन का समय, उल्लंघन पर होगी विधि सम्मत कार्रवाई**

राजनीतिक दलों व अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त होते ही सक्षम अधिकारी उस पर प्राप्ति का दिनांक व समय तत्काल दर्ज करेंगे। जिस दल/अभ्यर्थी द्वारा पहले आवेदन प्रस्तुत किया गया है, उसे प्राथमिकता के आधार पर पहले अनुमति दी जाएगी। इसके लिए कार्यालय में बाकायदा एक पंजी संधारित की जाएगी।

आदतन अपराधी विकास उर्फ मानसम्मान को 6 माह के लिए किया गया जिला बदर

खरगोन। जिले में लोक शांति, जनसुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी गुरु प्रसाद ने आदतन आपराधिक गतिविधियों में लिप्त एक अपराधी के विरुद्ध सख्त कदम उठाते हुए जिला बदर का आदेश पारित किया है। जारी आदेश के अनुसार, सेगांव (थाना ऊन) निवासी 29 वर्षीय अनावेदक विकास उर्फ मानसम्मान पिता धन्नालाल यादव को मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5 (क)(ख) के तहत 06 माह की कालावधि के लिए निष्कासित किया गया है। आदेश प्राप्ति के 48 घंटे के भीतर उसे जिला खरगोन सहित समीपवर्ती जिलों—खंडवा, बड़वानी एवं इंदौर की राजस्व सीमाओं से बाहर जाना होगा। बिना सक्षम न्यायालय की पूर्वानुमति के इन जिलों की सीमाओं में प्रवेश करने पर संबंधित के विरुद्ध अधिनियम की धारा 14 के तहत वैधानिक दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक खरगोन द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन एवं साक्ष्यों के अनुसार, अनावेदक वर्ष 2013 से लगातार अवैध आर्म्स एक्ट, एससी/एसटी एक्ट, मारपीट, गाली-गलौज तथा सांप्रदायिक तनाव पैदा करने जैसी गंभीर आपराधिक घटनाओं में सक्रिय रहा है। उसके कृत्यों से आम जनमानस में भय व असुरक्षा का वातावरण बन रहा था और लोग थाने में रिपोर्ट लिखाने तथा गवाही देने से कतराते थे। पूर्व में की गई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के बावजूद उसकी गतिविधियों में कोई सुधार नहीं आ रहा था। प्रकरण में सुनवाई के दौरान न्यायालय द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए जाने पर भी अनावेदक उपस्थित नहीं हुआ, जिसके बाद प्रस्तुत अभिलेखों एवं साक्षियों के कथनों के आधार पर एकपक्षीय विचारोपरांत लोक शांति बनाए रखने के लिए यह निष्कासन आदेश पारित किया गया है।

कलेक्टर की पहल रंग लाने लगी, मुहिम अब जनसहयोग का रूप ले रही

मिशन बेंच मार्क के तहत सेवानिवृत्त शिक्षक भावसार ने विद्यालय को भेंट किए चार जोड़ी बेंच-डेस्क, श्रीफल व उपहार भेंट कर सम्मान किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरगोन

कलेक्टर गुरु प्रसाद की पहल मिशन बेंच मार्क के तहत जिले के विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की मुहिम अब जनसहयोग का रूप ले रही है। इसी क्रम में माध्यमिक विद्यालय अघावन से सेवानिवृत्त हुए शिक्षक श्री राजेन्द्र भावसार ने अपने विद्यालय को चार जोड़ी बेंच-डेस्क समर्पित कर अनुकरणीय पहल की है।

विद्यालय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भावसार ने विद्यार्थियों के लिए बेंच-डेस्क भेंट किए। उन्होंने कहा कि विद्यालय में अपने 42 वर्षों के कार्यकाल के दौरान उन्हें विद्यार्थियों और शिक्षक साथियों से जो स्नेह एवं सम्मान मिला, वह उनके लिए सदैव गौरव का विषय रहेगा। सेवानिवृत्ति के अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए कुछ उपयोगी करने की भावना से उन्होंने बेंच-डेस्क समर्पित किए। कार्यक्रम में सान्दीपनि विद्यालय टेमला के प्राचार्य अशोकसिंह पंवार, संकुल प्राचार्य भागीरथ पाटीदार, जनशिक्षक प्रदीप पटेल, महेश मंडलोई, अर्चना पाटीदार तथा प्रधानपाठक मोहनलाल वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे। वक्ताओं ने भावसार के 42 वर्ष के सफल सेवाकाल का उल्लेख करते हुए उनके समय पालन, स्वाध्याय, अनुशासन और सकारात्मक व्यवहार को उनकी कार्यशैली की विशेषता बताया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से भी इन गुणों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अतिथियों, विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भावसार का शॉल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर सम्मान किया। अभिनंदन पत्र का वाचन शिक्षक रमेश पाटीदार ने किया। आभार शिक्षक रामचंद्र ने माना तथा कार्यक्रम का संचालन शराधेश्याम पाटीदार ने किया। कार्यक्रम में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से सुश्री श्वेता, अनिता पाटीदार, राजाराम मनाग्रे, पूर्व सरपंच कैलाश पाटीदार, सरपंच शांता बाई चौहान सहित विद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। मिशन बेंच मार्क के माध्यम से जिले के विद्यालयों में जनसहयोग से बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में भावसार की यह पहल अन्य सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं समाजजनों के लिए भी प्रेरणादायी है।

पांच बॉक्सर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

सीहोर। स्थानीय शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान में संचालित बॉक्सिंग नोडल खेल प्रशिक्षण केंद्र के पांच बॉक्सरों ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया है। खेल अधिकारी अताउल्लाह खान ने बताया कि तात्या टोपे स्टेडियम, भोपाल में आयोजित 70वीं संभाग स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में नोडल खेल प्रशिक्षण केंद्र के खिलाडिय़ों ने प्रशिक्षक अंकित गुप्ता के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। खिलाडिय़ों ने अपने-अपने वजन वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में अंशुल मंडलोई (75-80 किग्रा), जयंत परिहार (80 किग्रा), अभिनव (32-43 किग्रा), अनुष्का सिंह (80 किग्रा) एवं श्रद्धा (46-48 किग्रा) ने अपने-अपने वजन वर्ग में विजय हासिल कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने का गौरव प्राप्त किया।

काहिरी प्लांट से गैस रिसाव : शहरवासियों को अब क्लोरीन नहीं, महज ब्लीचिंग युक्त पानी ही मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर

शहर में मंगलवार शाम काहिरी फिल्टर प्लांट पर हुए जहरीली क्लोरीन गैस के रिसाव के बाद एक तरफ जहां पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया, वहीं दूसरी तरफ नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि शहर में जलापूर्ति के दौरान बीते 10 सालों से क्लोरीन मिलाया ही नहीं जा रहा था, जो सिलेंडर रिसाव का शिकार हुआ, वह 10 साल पुराना था और उसमें महज थोड़ी-बहुत गैस बची हुई थी।

इधर घटना के अगले दिन बुधवार को हरिभूमि की टीम ने मौके पर पहुंचकर पड़ताल की। घटना स्थल पर हादसे का डर और दहशत का माहौल साफ नजर आ रहा था। राहगीर और आसपास के ग्रामीण खौफ के साथ फिल्टर प्लांट की ओर देख रहे थे। हालांकि प्लांट का अमला इस बात से बेफिक्र दिखे क्योंकि मंगलवार रात ही विशेष रेस्क्यू टीम ने गैस सिलेंडर में खूंटी ठोक दी थी और उसे पानी में डुबो दिया था।

10 साल पुराना था सिलेंडर

जानकारी के अनुसार काहिरी फिल्टर प्लांट में रखा क्लोरीन गैस का सिलेंडर लगभग 10 साल पुराना था। इस 600 किलो क्षमता वाले भारी-भरकम सिलेंडर के पीतल के वाल्व अचानक खराब हो गए, जिससे शाम को गैस का तीव्र रिसाव शुरू हो गया। पीले-हरे रंग की जहरीली क्लोरीन गैस हवा में फैलते ही पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई और दहशत का माहौल बन गया। गैस की चपेट में आने से 4 ग्रामीणों को आंखों में तेज जलन और सांस लेने में गंभीर तकलीफ होने लगी। देखते ही देखते करीब एक दर्जन से अधिक लोग जांच और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे।

गैस रिसाव के साथ ही मच गया था हड़कंप

घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस बल और नगर पालिका का अमला आनन-फानन में काहिरी बंधान पहुंचा। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने आसपास के आधा दर्जन से अधिक घरों को तुरंत खाली कराया ताकि किसी बड़ी अनहोनी से बचा जा सके। मौके पर पहुंचे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे के अनुसार शुरुआती जांच में 600 किलो के एक ही सिलेंडर से रिसाव की बात सामने आई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीईआरएफ, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की टीमें बुलाई गईं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत मंडल कार्यसमिति की बैठक आयोजित

17 को लाभार्थियों के घर प्रज्ज्वलित होगा आशीर्वाद का दीपक : सांसद आलोक शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर

भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय संगठन द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं लोकसेवक के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सांसद आलोक शर्मा ने सीहोर विधानसभा के सीहोर नगर मंडल क्रमांक-1 एवं सीहोर नगर मंडल क्रमांक-2 की मंडल कार्यसमिति एवं मंडल कार्यशाला की बैठक लेकर कार्यकर्ताओं को अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों एवं संगठन द्वारा निर्धारित दायित्वों की विस्तार से जानकारी दी।

सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की भावना सर्वोपरि रही है। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में हुए ऐतिहासिक कार्यों और जनकल्याणकारी बदलावों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि 17 सितंबर को शाम 7 बजे पूरे मंडल में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के घर जाकर आशीर्वाद का दीया प्रज्ज्वलित किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक मोहल्ले के प्रभारी बनाए जाएं तथा लाभार्थियों की सूची तैयार कर आवश्यक संख्या में दीयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि 18 सितंबर से 7 अक्टूबर तक 'सेवा चित्र' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत सरकारी एवं निजी स्कूलों की सूची तैयार कर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

खेत की मेड़ के विवाद के बाद किसान की संदिग्ध मौत, हत्या की आशंका

थाने में शिकायत नहीं ली, अब एसपी सीहोर से न्याय की गुहार

सीहोर/बुधनी। ग्राम होलीपुरा, तहसील बुधनी निवासी दिनेश कुमार पिता बद्री प्रसाद की 9 जुलाई 2026 को हुई संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। परिजनों ने थाना बुधनी पर शिकायत न लेने और FIR दर्ज न करने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक सीहोर सोनाक्षी सक्सेना को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

परिजनों के अनुसार, घटना वाले दिन सुबह करीब 10 बजे दिनेश कुमार का खेत की मेड़ को लेकर पड़ोसी राजकुमार पिता रघुवीर से विवाद हुआ था। विवाद के दौरान मारपीट हुई और आरोप है कि राजकुमार ने कुल्हाड़ी से मारने के लिए दौड़ाया। मौके पर मौजूद अरविंद बरखने और दिनेश के पुत्र शिवा ने बीच-बचाव किया। इसी दौरान जान से मारने की धमकी भी दी गई। उसी दिन शाम करीब 5 बजे दिनेश कुमार खेत पर गए और रात 8 बजे तक वापस नहीं लौटे। तलाश करने पर भाई विष्णु प्रसाद और पुत्र अजय कुमार को वे खेत में अचेत अवस्था में पड़े मिले। परिजनों ने उन्हें न्यू पाण्डेय हॉस्पिटल, नर्मदापुरम पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में मौत का कारण पॉयजन बताया गया।

परिजनों को पॉयजन की थ्योरी पर संदेह

परिजनों का कहना है कि उन्हें जहर से मौत की बात पर संदेह है। उनके अनुसार मृतक के मुंह में गुटका था, न उल्टी हुई, न ही कोई विशेष गंध आई। बाद में चेहरा काला पड़ने की बात भी कही गई। सरकारी अस्पताल नर्मदापुरम में पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों का तर्क है कि सुबह मारपीट, कुल्हाड़ी से मारने की कोशिश, जान से मारने की धमकी और शाम को उसी खेत में अचेत मिलना - ये सभी परिस्थितियां मौत को संदिग्ध बनाती हैं। ज्ञापन में सबसे गंभीर आरोप यह है कि परिजनों द्वारा इस संबंध में थाना बुधनी में शिकायत देने का प्रयास किया गया था, लेकिन शिकायत स्वीकार नहीं की गई और एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसी कारण परिवार ने एसपी सीहोर से गुहार लगाई है।